24. चित्र-वर्णन

चित्र का वर्णन करना भी एक कला है। व्यक्ति अपने आस-पास की चीज़ों का अवलोकन करता है तथा उसका बारीकी से उल्लेख करता है। यही चित्र-वर्णन है। चित्र-वर्णन में वास्तविकता या कल्पनाशीलता दोनों का पुट होता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को चित्र-वर्णन विधा के बारे में समझाएँ।
- ❖ चित्र-वर्णन की परिभाषा से अवगत करवाएँ।
- ❖ छात्रों को बताएँ कि चित्र-वर्णन करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।
- ❖ कक्षा में छात्रों को भिन्न-भिन्न चित्र दिखाकर उनसे चित्रों में घटित घटनाओं के बारे में पूछें।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिया गया उदाहरण पढ़ने के लिए कहें।
- ❖ यह सुनिश्चित करें कि छात्रों को विषय समझ आ गया है।
- ❖ दिया गया अभ्यास करने के लिए कहें। आवश्यकतानुसार सहायता भी करें।